

पुत्रादिव

२॥

पुत्रादिव

२॥

पुत्रादिव
पुत्रादिव
पुत्रादिव

पुत्रादिव

पुत्रादिव

पुत्रादिव

पुत्रादिव

पुत्रादिव

2608

I

ॐ ह्रीं ह्रीं ह्रीं रुट स्वाहा ॥ ॐ सा वि मा हि मा हि नि त्रि रु
मा हि निः स वा माः नि ह्रीं रुट स्वाहा ॥ न ३ ॐ य व यं हि प स्वाहा य म
थ का म न स न र वा या था य थ र म म रु ना ॥ ॐ य व यं हि प ॥ ॐ ह्रि थि मा ना म
श्रु ग म ३ थ ग्व ना ह त न त य म व या ग्ना ह द दान त या ॥ स सान प य डी
॥ थ का य य ग्ना थ ॥ ॐ ग्ना श्रु ग म वि मू य र त वि सा न व स रु थ म ॥ ॐ

नयायग ६२ ॐ साति सिधा वि सुपति ॥ थु मतनः सथा मया तदु नां

॥ १०६ ॥ क सु भगान ग प्रायका व थु थ्या थ्या उ व मा ससा तया वे व न न सय

मत वना दू ना ॥ सि धि ग नू श ग म वि धा उ दू त स्वा प्रा थ न १०० थु मत न दि पया

म न गि न नि प र ग न ता द्रा ति सु न या ता का व द्य न त थ न त त श मा न प स या य द क वि न्य ॥

दि ति ता ता ॥ १०७ ॥ सि धि ग नू दू ॥ १०८ ॥ आ ग म ति वि द्या उ मः थ नः कें दू ट स्वा प्रा ता मत न

न वा न य दू द र पा प्रा

अथ हि नो सारु न स्वाप्ता धन न राख रवा य वीडा वि य म न न य द॥

सिद्धि गुरु भ्रातृ विद्धि गुरु द स्वाप्ता धन १००० धु मु न दि प याना वि प रु ग व न न ता

नो दी स न या ग का व व न न न धु न न न न ता सान प म य द न वि य न न न सिद्धि

गुरु भ्रातृ भ्रातृ विद्धि गुरु द स्वाप्ता धन न मान स क प य। क को म न न न वि न न न

स्वाप्ता धन न वि प न वि प न प न म का मा च वि य रु सा मि सा नि क॥

ॐ ह्रीं कुरु स्वाहा ॐ श्रीगणेशाय नमः सर्वथा भवतु न कुरु नाशेन यत्नः न भवतु
 मयि किं भूदा कुरु किं भूदा ननु सिद्धि किं भूदा वाचं न किं भूदा पस
 नम किं भूदा नम किं भूदा नम किं वाया सिता किं वाया नम किं वाया वत
 ता मा किं वाया वध किं वाया कुरु किं वाया नम सन किं वाया अहं न किं वाया

ॐ उग्रानलद्यकवच॥धूबव॥सकवचासषवानजसवाद्रि त्रि॥खसषाडादि
नीहसातत्रसिंदवानसिद्यात्रइसा॥कैककानसालवानागंजंशखतद्यनद्रक
ज्याप॥धमरशरुतमुनयायासातयानलि तव॥कवचपापम्॥ॐ॥

ॐ स्यालितोदविरुमंदिनानावजका लिगापिदमारुवित्तीमद्यतत्रचूकचूक
इरुतसाडा॥धम

दूष नृव क्रा का ल सा न ७५ म ला व मा य द्या ल वू य म्मु थ ॥ ० ॥ ॐ व ऊ ऋ नि नि ऋ ऋ ऋ ऋ
 ॥ ५५ ॥ वू वि स म्मु मा य द्या न वू य दूष वि र व क्रा ॥ ० ॥ सि दि उ र व आ कृ ऋ ऋ ऋ नि र्ना कि नि सा कि
 तं रु नि स र्व वृ ता य नि ह ह म म व स र्दि नि रु त स्वा हो ॥ ५५ ॥ आ ऊ र मा य दूष वि र व क्रा क्ता न या
 मा ॥ ॐ क्रा क्रा ह य नि र्ना र्द य नि द्र थ या न पि या य न र्वा य त ग र व व मा मा सि दि उ र व व य स र न
 न ह ह रु त स्वा हो ॥ ५५ ॥ स वा ड स य त ॥ ऊ व वा रि स द डा व ॥ ख व द स स सु क क्ता य ॥ सूप त न र
 थ य व न म्मु थ ॥ ० ॥ ॐ ह थ व थ र ऊ मा ऊ मा ऊ मा न य ह रु त ॥ ५५ ॥ ००१ आ य मा मा मा
 सा ल मा सि र्ग र नि डा ना हा य कं ऊ प न र्वा ॥ ग र वि नि या वू स ता थ व मा ना म व डी थ न
 मा या म वू य क म्मु थ ॥ ॐ का पि ति याः वि धि म का मा त्रि के आ दे र मः द द विः य व द या द्र स्वा हा

॥ ध्यान हि मन्त्र ॥ ० ॥ ॐ नमो भगवते ॥ वन रुद्र मन्त्र क श्री ग्या ॥ ध्यान किः
मन्त्रि सदय ॥ सुता रागा माघ सप्तमि न मन्त्र पाप व नरु प्रसन्न स ॥ १०८ ॥
उवा ॥ किदा तला सिद्धा रुख नागा रदुर्वा न सिद्धे रुत ॥ ध्यान विषय नो यथा
नद्रा ॥ ० ॥ ॐ वन काद्रा विद्यया नरु ॥ ध्यान विक्रम मन्त्र ॥ १२ नमो श्री द ॥ गुरु न
मन्त्र ॥ गुरु सायन मा ॥ गुरु विक्रम शिव नाकि ऊ पापित मान या पित जीव य ॥ १०० ॥ सुव
श्राकृत उत्तिगुरु ॥ गुरु राख नात ॥ वन याद का व कान मात ॥ पित का क ॥
श्रय नि ३२ ॥ गुरु सि ३२ ॥ ॐ त्र स पृष्ठि सदा ॥ ११ थु मु तले जाव पाप इना ॥ १०० ॥

[illegible]

[illegible]

ताग। लगमग धन। लह ॐ विषद्वनमिनलाग॥ सत मि का त्रि ना गि नि॥ म
रयाय॥ वृ स्या डा या ना॥ मा क र मा। पि का। पु का। थ थ ग मा व। वृ डा या सत य। गो
धन न ड य क मा न॥ क वा नि वि स ड न का त य॥ ॥ लो न ख रु नि। नि नाल्य वृ
। डा गि नि। आ ग म न वृ। आ ग म वं ता न। डि लि क डा न नि मं। य वृ न वृ न व र सिं॥ ॥
डा पि डि रु डा। रि म स न। क पि वृ क रं रु डि र। मू र ह मा। का ड त रु ड व र॥ ना र ख वृ वृ
या धा वा शु क नि व स रं ग मा व क य ता न वि य म द वा ड स द य कं॥ थू धा वा न रु व पु रि स
सा धा म। नाम का य। थू डा या सा म द सा खूः यि न वृ य मु थू ॥ सा म॥ द सा वृ धा या
ॐ ॐ सु र वा वा ग म ध न। मा ध श्रु का डि हं रु त स्वा डा॥ वि या र म। ड त या सा। डि व

स्नानयाकव॥ सुग रागायापनकव्याकेसथुथाके॥ सतूनके॥ ॥ अरुम
पाव। द्रनद। नयावदू सदायकावगमनकावनकेथंकेवनकेसवद्वे॥ ॥
ॐ शशिदिगुरुश्रद्धानलसुल्लाष्टि। वयत्रिकुदना। कुतदना॥ ॥ ॥ नाश्रुति। नवप्रसक्त
क। निनाश्रुति। कतर्क। वयत्रिकुतक। कुदल। मुक्तकृष्णनि। वृत्तधेनाश्रुति। द
धिनमसान। ॥ ॥ ॥ वश्रुत। वश्रुत। वयत्रिकुदुत। माद्रामातिनि। कुमाति। यद्राय
नि। माद्रामातिनि। शिदिमसानदविवाया॥ ॥ ॥ ॥ उरयातनकाश्रुतावनामग
पावपाव। कुमातिपाकपूत्रयय। वाद्रानस्याय। ॥ ॥ निवृत्तानककाववद

स न मा य । स न द्वा रु क । स न द स य । वा नान द उ र द्वा रु ३ र वा द्वा रु ३ ॥ १ ॥ ल क स्वा द्वा रु ॥ मि मा
२ ॥ १ ॥ उ र द्वा रु ॥ मि मा द वि मा रु य ॥ १ ॥ ना ग व ता ना ग मा ना ॥ १ ॥ जि व ता ॥ जि नि
मा ना वा मि व ता व मि मा ना द व द व ता रु द व द मा ना ॥ १ ॥ ॥ व द्वा रु सि ॥ वा सि ॥
र वा व सि । मि कि सि । कु सि । हा सि । सि मा सि ॥ पू र्ण मा य । द्वा रु मि रु व मा ना ॥ १ ॥



Handwritten text in two columns, written in red ink on aged, yellowed paper. The script is a highly stylized, cursive form, likely a historical or religious text. The text is organized into two main horizontal sections by a central black line. Each section contains several lines of text, with some characters appearing to be larger or more prominent than others. The paper shows signs of wear, including discoloration and some staining, particularly along the edges.



ॐ नमो ग्रीग न्यस यनम ॥ साहसूतिद व तं नम सका न्यः ॥ यनम न्यस यनम ॥ यनम न्यस यनम ॥
इने ॥ मानस्य के इयि अथ नथु काश ॥ दोलु व ज जौ वि यु का या न मा ॥ पात चि व
सित या हा वृ का मा इ अ ला यि लु था न्य ॥ वृ स स्य के माः वं ह्यि वृ का मा य मा लो ॥
भु त ॥ वृ स वि घन इ यिः सा ह्यि अ यः म नु उ मा न के न्यः वि सा स थ न्यः पं ब्रा स
अ य थ इ ल ॥ म हि द अ यः द्यु त थ न्य व सा स थ अ य इ ल न्य न वृ थ न्य प्र वं रि स
इ त म सा न सः सि धां दि स न्य न व र व स त थ अ य मा ल वि धि नि ल स म न म मा ल



भ्रूवसनामवदयिदावनशानिडाथम३॥नामयूशायाहेत्यःपातद्विवहितय
 माल१॥यनवुदङ्गिनदिमासर्वानिडा२॥रथनायातइसरवतदमिडाविके
 नसवदवहसन्मनवमानामःथनयूमावकतिरुसुरुनवकइतसाभय
 मयायाहावुडाथमःविधिप्राप्तमालवलिविममात्रःवावलिविममात्रः॥विसास
 थम॥२१॥महायूयथन्यमात्रमहायूयपादरिनामाहव१॥०॥रुजयनदिनग
 नदानविममालः॥वैष्णवप्रतिदानःवाकू१विकृतप्रि१॥हामत्रकूल॥मासकू
 मा१कृतप्रि१॥तयूकूल१॥स्नानउपकूल१॥जाकिकूलः१॥ग्वलविद्यु१॥
 कापु१॥रूकू१कापुनक्रासुकापतकू१स्मिदूकापतकू१॥युक्रिसतमावि

Handwritten text in a stylized script, likely a form of Arabic or Persian, enclosed within a rectangular border. The text is written in red ink on aged, yellowed paper. The script is highly decorative, with large, flowing letters and intricate flourishes. The text is arranged in a single column, with the words "Bismillah" (In the name of the most Gracious, the Most Merciful) visible at the top.

Handwritten text in a stylized script, likely a form of Arabic or Persian, enclosed within a rectangular border. The text is written in red ink on aged, yellowed paper. The script is highly decorative, with large, flowing letters and intricate flourishes. The text is arranged in a single column, with the words "Bismillah" (In the name of the most Gracious, the Most Merciful) visible at the top.

Handwritten text in a stylized script, likely a form of Arabic or Persian, enclosed within a rectangular border. The text is written in red ink on aged, yellowed paper. The script is highly decorative, with large, flowing letters and intricate flourishes. The text is arranged in a single column, with the words "Bismillah" (In the name of the most Gracious, the Most Merciful) visible at the top.

दुसको सिहा लिअः महादेव यथा कदु हां उमा उलो निः थुया सांति यामे ॥
मालसाः कु र्दु को ल्य मालः ॥ व प्रिदा न याम मालः महासां थु याम मात्र
जन्य स वृजा याम मात्रः पात र्दु व लि त य मात्र ॥ ५ ॥ अ दान वि य मात्रः ॥ डा कि
क र्दु लिः हा ॥ हा म र्दु क र्दु लिः ॥ मा स क र्दु लिः ॥ म्हा त क र्दु लिः ॥ उ म र्दु लिः ॥
बा कः क र्दु लिः ॥ थो ज्व र्दु लिः ॥ क्का सु का प त क र्दु लिः ॥ तू यि डा का प त क र्दु लिः ॥
हो इ का प त क र्दु लिः ॥ स ति व वा नः ॥ वि य मालः ॥ हा सा स त य वि यः ॥ द डि न
दि सा स त य डा वि य मात्रः ॥ मा तं ज हा उ न के मालः ॥ ०० ति आ नृ नः ॥ न के

Handwritten text in a stylized script, likely a form of Arabic or Persian, enclosed within a rectangular border. The text is written in black ink with red ink used for decorative flourishes and some characters. The script is highly stylized, with many loops and curves.

Handwritten text in a stylized script, likely a form of Arabic or Persian, enclosed within a rectangular border. The text is written in black ink with red ink used for decorative flourishes and some characters. The script is highly stylized, with many loops and curves.

Handwritten text in a stylized script, likely a form of Arabic or Persian, enclosed within a rectangular border. The text is written in black ink with red ink used for decorative flourishes and some characters. The script is highly stylized, with many loops and curves.

कुं सु पुं च हूँ हं डी माँ डी रा नि ॥ हाँ डी स ल द यि डी ली वू इ यिः ॥ सं म इ मि डी
ॐ स हूँ त इ मि डीः स हूँ त डी नि डी ध तः ॥ ३ ॥ ॐ मा सा तिः कुं ल यी मा त न डी
ऊ हूँ त सों ली मा य मा तः ॥ ४ ॥ ॐ व नि वि म मा तः वा हूँः व त्रि दान वि म मा तः
१२ व नि दान यी मा य मा तः वि सा स पू जा मा य मा तः ज न्यै स पू जा मा य मा तः ॥ ५ ॥ ॐ
वा त सं म दान वि म मा तः पि ज न स पू जा डी न्य मा तः व लि पा त दि न मा डी वू डी या
नाः म हा का व पू जा मा य मा तः ला मा ल द य काः कू र वा म का डी वू जा मा य मा तः
पा त दि व लि तः कू न्य त मा डी वू जा मा यः जा व मा य मा तः दा त कू स दा त जा व इ तः
॥ ७ ॥



सुस वि कु उ पि उः द उ मा दा व नः उ मि ठा द उ मा त रु दा त मा द पि उः ॥ वृथः महा का
ज न्य सः ॥ कु मालिः पि ग न द व ताः ॥ थु लि स वृ द्म मा तः थ मा त मा द पिः ॥ वा सु कि
सा ति मा य मा तः महा व लि पु जा मा य मा तः ॥ वे थु यू जा मा य मा तः ॥ पं वा मि त द म
अ पु आ मा य ॥ १ ॥ अ न द व यू ज ग न्य स ॥ २ ॥ पि ग न द व ता यू जा मा य मा तः ॥ व ड या त
कृ न द व ता न्ना गं म ॥ ३ ॥ पु जा मा य मा तः ॥ रु दा म नि द सा या ना म ॥ ४ ॥ थु या सा ति गृ द्म दान
वि ष मा न ॥ ५ ॥ वृं व का ॥ ६ ॥ पु व का ॥ ७ ॥ श रु न ॥ ८ ॥ वा कू ॥ ९ ॥ हा म न ॥ १० ॥ कु स पु स ॥ ११ ॥ को प न कू ॥ १२ ॥



वृद्धस्य ऋषामरिनि ॥ शुभ्रमहापिडा ॥ पंचरत्नं वाथमायमात्र ॥ पंचासदलि
विभक्तमात्र ॥ पंचदिग्गन्धमात्र ॥ अतमातिकायूजायामात्र ॥ शुभा ॥ शुभाग्रह
दानविषयमात्र ॥ अपूर्वायामात्र ॥ गुरुदानविषयत ॥ वृत्रका ॥ यत्रका ॥ आहु
तः ॥ नामत्र ॥ आहुतिः ॥ मासः ॥ मातः ॥ कथयन्ति ॥ कालतः ॥ आलहासा ॥ काय
तत्त्वपिडा ॥ रवणमसि ॥ शुभासुकाय ॥ ह्युतकायत ॥ रा ॥ हा ॥ हि ॥ कसयुस
पातयुवतितामाता ॥ पिजनस ॥ शुभायमात्र ॥ वापूजा ॥ शुभाय ॥ पिजनस ॥ पिजनपात
(धन्य)



[illegible]



१ सुसउवदेइपि १॥ ॥ सुमाधुलिनद्रसाहायाठाशानि १॥ । सुसउसामरुमद
पिठा १२ थुमासाति १॥ नडादुग्गवतिविममात्र १२ महाधुपथन्यमा १२ पंशसहाप
कमाल १२ पंरकाथन्यमाल १२ पंरुल्यपाथपाप्रमात्र १२ पंरगुद्रुदानाव
ममाल १२ पंरग्रु विपत १२ मासकुलसि ११॥ म्नातकुलसि ११॥ त्रपिजाकिः
कुलसि १२ कालतकुनसि १२॥ स्नानडमकुनसि १३॥ थुवाग्वलद्व १२॥ कापतडमड
अनिकथे १२॥ ह्यकापत १२॥ म्नासकापत १२॥ रुपिडाकापत १२॥ सिमकापत १२॥



२६० समरि निडा ४। नादु हां डा मिडा १५ अस्मति इमिडा १६ संध्या या के त दु हां
डा २७ ॥ थूपा सांति या मत १८ ॥ रवा पि ला री ल्य स दान विष मा त १९ मा त्री सि डा म
रं दि १० ॥ की ल त रं रि ११ सि सि का य त कू स कू ३ ॥ थू लि थू न का डा २० ॥
हां म ऊं ग या म माल १२ अ तां ग डा ग ३१ थू न का डा १३ म हा व लि वि ष मा तः
वा पू डा या म माल १३ पा त व लि पा त जि नि पा त य मा त १४ अ द रं त व दे व ता १५ पूः
डा या म माल १६ पं द डा त द य का डा पू डा थ य मा त १७ मा तं ग थ यः पू व सं म सा न थ य

Handwritten text in a stylized script, likely a form of cursive or shorthand, rendered in red and black ink. The text is organized into three distinct columns within a rectangular frame.

Handwritten text in a stylized script, likely a form of cursive or shorthand, rendered in red and black ink. The text is organized into two distinct columns within a rectangular frame.

Handwritten text in a stylized script, likely a form of cursive or shorthand, rendered in red and black ink. The text is organized into two distinct columns within a rectangular frame.

२५ सः पितृणां कथादाखदमिः ॥ सादृहां डामिः ॥ हात्र साहित कं न त्या मश
मि ॥ महात्र सा पितृणां कथादावदु ॥ विंनदानमायमा ॥ अष्टत विंन
थममाल ॥ आत्र नतममात्र ॥ कुमालिपूजायायमात्र ॥ कुमालिनकमा
ल ॥ आत्र नदानविममा ॥ गुरुदानविममात्र ॥ सिद्धनया काला ज्वलरि
म्रलया काला ज्वलरि ॥ न काला ज्वलरि ॥ कुं नका ॥ मात ॥ हा मल ॥
रुवकि ॥ डी हलवकि ॥ आ कद ॥ पत्रका ॥ स्नान उ ॥ कायत कु ॥



श्रुवदश्रु

२ दुःखः लुत विह्वल दाव ५॥ थुय साती मायः मात वावलिवि यमा न ॥ २॥ महा
थुय थन्य मात ११ दस को द थन्य मात १२ अविंग थवा उ न माय २१ थुलि थु
न का डा सां थ १॥ न क व रु थ ग त म ३॥ म सा न थ न्य हा य के २२ मा हा त थु के
मा हा वि ग म कू त न्य न ५१ सा थ न त म २२ ता न ना म ११ मा ल न मा म ११ मा ह न
त म मा ल ४॥ लु रि मि सा थ न त म २॥ लु रि दि ग थ न्य २१ ज्व ल दि उ ज्व ल प वा ११ पं व
लु न त म थु ल स ३॥ पं वा मि लु त म १॥ सा दू ५॥ अ कू त ज्व न २१॥ जू ज्व न त म मा न



२३ सप्तमहानिडा ॥ शुद्धपत अग्रि ॥ अतिमहिन थल ॥ अन्यसपूजायाम
माल ॥ अगिमथलसद्रापाकंडान्माल ॥ सुवलि विप्रमाल ॥ रावति
विप्रमाल ॥ कुलद्रावतायुआप्राममाल ॥ गड्डुद्रानविप्रमाल ॥
मासकुलद्रि ॥ २१ ॥ श्रातकुलद्रि ॥ आदि कुलद्रि ॥ डमकुलद्रि ॥ शुक्
लद्रि ॥ ग्वलद्रि ॥ वाकूपल ॥ रि कुलद्रि ॥ कापतद्रि ॥ ग्वकुद्रि
॥ सुकापतकुद्रि ॥ हिद्रकापतकुद्रि ॥ दानविम ॥ द्रुमातला डनकमाल



२३ स उ व द न इ मि १॥ मरि नि उ १॥ अ न व ति २॥ उ म ह्य व २॥ यं मु पि उ २॥ अ न
का ल य मि उ ३॥ थ ल्य वि द न इ ल सां ४॥ लो म इ यि ५॥ म इ म क्त ६॥ या
सा ह्य व लि २ वि म माल १॥ न डा रु वा नि या ना म न २॥ न व दू ग १॥ म हां मा
पि या ना म न ३॥ व लि दा न पा य माल ४॥ वि जं न स २॥ रा यू जा डा न्य माल धृ कं
क्रो मा लि न क् माल २॥ रु त सा ग्न दू २२ म रु त सा ॥ द्वा स दू २२ अर्थ १॥ म
रु त सा डा दू न कं १॥ पू जा या म ३॥ वृ त दा न वि म १॥ द रि न्ना दा न वि म माल १२

بسم الله الرحمن الرحيم
الحمد لله رب العالمين
والصلاة والسلام على
سيدنا محمد وآله الطيبين
الطاهرين

الذين هم خير البرية
اللهم صل على محمد
وآله الطيبين الطاهرين
الذين هم خير البرية
اللهم صل على محمد

وآله الطيبين الطاهرين
الذين هم خير البرية
اللهم صل على محمد
وآله الطيبين الطاهرين
الذين هم خير البرية

सुसमनितन सुसद्रहा २ उायिठा २ विजनवास २ सुमावनलात ४ तयइयिः
शुभासातिमायत ५ वैरुलपुथायाथ ५ प्रातमात ५ वैराइऊजायाप्रमात ५
पैयासवलिविषमात्र ५ पैरदानविषमात्र ५ पैरइ ५ पैरसति १० विरुसने
मास ११ मात १॥ तशु १॥ स्वानउम १॥ मिउश्वाराज्वरादि १५ नवात्राज्वरादि १५
अनश्वाराज्वरादि १५ त्रुवादि १५ डीहवचकि १ कापतुवायडाकुरि १ कासुका
पतकुरि १ ह्यउकापतकुरि १ अकिसतयाडाविषमात्र १ गडनकमात्र १



२३ सुकेपा। वंदित तनदु २३ रव विडा मादिन २॥ ध्यान ह्यवज्ज्वल मकात २३ मा
ज्वलिद नाडा। विडा धाम २३ धृति महि नम्य वताम सु २३ धृमा साति प्राय २३ मा
तना हावलि वि ममाल २३ महासां ह्यधमा ज्वलि वसा ह्यमक ना तन धं
व अह विममाल २३ वै वरु गंद थन्य मालः २॥ महा धूप थन्य माल २३ मा
धूप मात रोग विममाल २३ क्रिदु २३ द्रम स्या नाडा २३ पूजा मा नाडा थन्य २३ सु
सथा तपति के २३ थन्य माल २३ रवा वलि दू म २३ पूजा मा म २३ नित्वा कुन दू म



२ बुद्धसमरुतिनिडा २१ महात्ततदं किं निरुतनिंनद १ हाडापिडा १ थुपाअ
ल्लिखुन २१ यात्थसंयुग्मिसिपिडा १ अन्नसवडा निडा १ संताखमइयिडा
नमानसं १ ताखमइयिडा १ ११ महावल्लिविप्रमाल १ कालरुं स्यानाडावल्लि
दानयायमाल १ वल्लियासदं १ १३ १ १ अत्तवि बुं किं १ १ मूसानसतप्रक
वात्त १ १ अन्नं वि जानसदं याकं डी नो १ १ माल १ सोत्तइयकनयाडाप्रमा
ल १ बुंतिनहममद १ कुमालियुजायायमात्र १ कुमाजिनकं माल १ सजानवि
यमार १ सुत्तइयि



२॥१२ बुद्धसांनकमिडा ११ कुरुदंडाकुरुंडाभिडा ११ थुमाका व न बुद्धामुहसदिडाः
थुमासांतिमायत ११ रंवा दससंविंनथममाल ११ कंदा दानविममाल ११ हंनं
कुरुंडाठा द्रुद्धा यमाय ११ रायुजाया यमाय ११ वंदा मितदयकाडा
युजा ११ वंरुडा ननथ नो मर ११ वंरु रग नथया माल ११ अतयात वल्लिविप
माल ११ मरुथुपथ नो माल ११ वंरुद्रिज युजाया यमाय ११ वंरु वथुपाथया
तकं माल ११ दुरुआ दुरुपाथया कं ११ अंरु दानविममाल ११ सद्रु रग दानविम
माल



रघुसमरि २४ कुदनिहा २ रिबडमि २ मगंदनडा मिडा २ अतिमलिन २ ४
कंधमाडा २ लोपुडमि २ मयनहा न्यामिडा थुपासातिमायत ॥ वंश
इडा २ मायमाले २ वंशपाल २ यत्रिबिप्रमात्र २ निप्रदाता डात्रन
दयकाडा २ वलिदा २ विमाल २ म्वनयदा गज्वत्र २ माल २ गं गजलिगि
थमा २ लंखमाल २ म्वल गज्वल २ रं डमाल २ वंशत्रुन द्वात्र गज्वत्र २
माल २ दादात्र नानमाल २ साद्विदुमात्र कूत्रसि २ तुमिडा अकि २ अकूलमाल



२८० समतिनिडा ॥ म्यस ॥ शाल्यसा ॥ हेस ॥ हेस ॥ रवाः ॥ तता ॥ डातासि
पिडा ॥ येतिस्तदुहा ॥ डा माडा शानि ॥ डा अलं ॥ थुपा ॥ सांति मायन ॥
अद्यवात्विममान ॥ यात सदंनसि ॥ वल्लियात ॥ अनेतू पिडा शाल्य
स्याममाल ॥ सिडा शाल्य दात विममाल ॥ कायत ॥ सिमिडा कायक ॥
सिगन ॥ नागव नरि ॥ नरवाला गव नरि ॥ कुल रवाला ॥ गव नरि ॥ म्यस ॥
म्यात ॥ हामन ॥ पुनका ॥ हुंनका ॥ युकि सत मा ॥ डा विम ॥ काय कुदधि
सत ॥ विमि कुड ॥ सत म ॥ २



२ सुसविहृतकामि उसायतुमदमिडां सुसुसुः खालिमइयक
लो जि तदमिडां ० ॥ अतिरवततयादाव ॥ नथथतुममदमिडां ॥ थुयासा
तिथ्याय ॥ यिजनस ॥ रापुजा मायमान ॥ रागपुजा मायमान ॥ हनं
सुसरा वलिविषयमान ॥ महाविसासपुजा ॥ थन्यमान ॥ विसासपुके सांथ
यातके मालागां ॥ यिजं थन थनमान ॥ ॐ थनं अगिम अथुयमाल अर
थन सुय ॥ कुमालदवरा पुजा अन्धमाल ॥ दकुतां ह्यदुगुलि जीवन



२३ स म हा च पु द श मि ठा ११ म ना उ म त्र लि १३ आ पि डी १४ कं थ रू त दू १५ हा
डालि या रिं न थ य श मि १६ थू या सां ति न या प्र त १७ ग न्ध स मा के रा १८ पू ज
या प्र मा ल १९ हं नं कू स २० वं च ल थू या थ मा त २१ के मा ल २२ प्र हा वि सा
स २३ वा व लि वि म मा ल २४ म हा सां ह्य २५ या त के मा ल २६ ज न दान वि म
मा ल २७ आ वि २८ उ म २९ दान वि म मा स ३० म्वा त ३१ हा म ल ३२ क्वा ल त
क म ग्ग लि ३३ त थू ३४ स्ना न डी ३५ ज्व त स त ३६ या डी वि म मा ल ३७ रि मि

२ मालस्यकुङ्कुमाङ्गामि ॥ कर्मङ्गामाङ्गानि ॥ १ ॥ लेखद्वन्द्वतापुङ्गवामा
 यमाल ॥ २ ॥ मुसोन्नत ॥ पातद्विबलितयमाल ॥ ३ ॥ यिगंवनस ॥ पुङ्गवामा
 माल ॥ ४ ॥ पातद्विबलितयमाल ॥ ५ ॥ यमामाल ॥ ६ ॥ नपाङ्गामाल ॥ ७ ॥ द्विह
 यमद्व ॥ ८ ॥ कुलद्वन्द्वतापुङ्गवामा ॥ ९ ॥ यमामाल ॥ १० ॥ पुवदिसास ॥ ११ ॥ वलियपातद्वि
 यमामाल ॥ १२ ॥ ह्यद्व ॥ १३ ॥ जालनद्वयकाङ्गामि ॥ १४ ॥ यमाल ॥ १५ ॥ सुसांतिप्रामाल
 १६ ॥ यमाल ॥ १७ ॥ वलियपुङ्गवामा ॥ १८ ॥ पुङ्गवामा ॥ १९ ॥ पुङ्गवामा ॥ २० ॥ पुङ्गवामा

गणेशाय नमः १ मन्त्रादिप्राम

३१

सुखी

६२ नाम

कुरी

३६ नाम

उत्तम

३७ मन्त्र नाम

वे२

मन्त्रादिप्राम

मिरवा स्थाक

२॥ मिरवा स्थाक आजत इमिडा ॥ २ ॥ सुस ॥ २ ॥ वृव ॥ २ ॥ दिसा सशान वृ ॥ १ ॥ याना
ग ॥ २ ॥ सडा माडा अ नि ॥ १० ॥ वृडा विरव न ॥ ११ ॥ सशान ॥ ११ ॥ क नाग ॥ २ ॥
थ मा साति मा म ॥ ११ ॥ न मा नाग ॥ २ ॥ क दि ॥ २१ ॥ डा ह मा नाग क दि ॥ २ ॥ द म का
डा ॥ १ ॥ वृ डा मा ना डा ॥ १० ॥ वृ स त म क ॥ १० ॥ माल ॥ २ ॥ पा त दि वा ल न य मा न
हं न वृ सां ति ॥ २ ॥ मा म माल ॥ ११ ॥ मा हा ॥ १ ॥ वलि दान ॥ १२ ॥ वृ गा मा म माल ॥ १ ॥
को ल ॥ २ ॥ स्थि ना डा सां ति मा म ॥ २ ॥ माल ॥ ११ ॥ स वि क श म ॥ १ ॥ क माल ॥ ११ ॥ स तं

वृ

२०

निरी

रय

त

हति

पाद

यस

हति

संता

युय

वृ

१

=

२००

२००

२००

२००

२००

२००

२००

२००

२००

२००

२१ सुस १॥ २ म नूहु मा ला ग इ मि २४ २ क्र स ६ १ ॥ क्र स प न स १ ॥ ना ग १ ॥ स्थ
क इ मि डी २॥ १ ग न्य स द डी मा २॥ १ व स व चू स १ ॥ द मि डी थान १ ॥ ग न्य
मा त रू ना १ ॥ त मा द मि डी १ ॥ थु मा सां ति मा य त ३ ॥ ग न्य स पू डा मा
व लि पा त रि १ ॥ १० त मा डी पू डा मा य २ ॥ माल २३ त्थि स पू म हा य मा
ले २१ ॥ रि म ल द पू डा मा माल ३० वृ वृ लि स १ ॥ वृ म हा य मा त १० व लि पा
त रि क म नाल ३१ अ मि म थ स चू १ ॥ य माल ११ कृ ल ६ ॥ द व ता वृ डा मा य मा त

१००० भिन्न सिद्ध

व	क	ख	ग	घ	ङ
श	कास	कंथ	सव	गंध	लोस

मालि वृत्त

ॐ
ॐ
ॐ

ॐ
ॐ
ॐ

ॐ
ॐ
ॐ

ॐ
ॐ
ॐ

ॐ
ॐ
ॐ

ॐ
ॐ
ॐ

[illegible]

॥ साक्षात् ॥

२॥१२॥ मन्त्रं २२ नाग ३१ मा ६० ११ ससुत ३१ १० मा ३० ११ नि ११ थूपा
सांति २१ मा ३० ११ वृद्ध ३० ११ दंडा ३० ११ मा ३० ११ मा ३० ११ पात ३० ११
वलि ३० ११ तमा ३० ११ पु ३० ११ मा ३० ११ मा ३० ११ मा ३० ११ मा ३० ११ मा ३० ११
स ३० ११ वृद्ध ३० ११ मा ३० ११ मा ३० ११ मा ३० ११ मा ३० ११ मा ३० ११ मा ३० ११
समाहा ३० ११ वलि ३० ११ मा ३० ११ मा ३० ११ मा ३० ११ मा ३० ११ मा ३० ११ मा ३० ११
कु ३० ११ वृद्ध ३० ११ मा ३० ११ मा ३० ११ मा ३० ११ मा ३० ११ मा ३० ११ मा ३० ११
कु ३० ११ वृद्ध ३० ११ मा ३० ११ मा ३० ११ मा ३० ११ मा ३० ११ मा ३० ११ मा ३० ११

क्रांतिका वृक्ष

ॐ २॥ वीं कृता स्या के पुन १॥ द पिडा १॥ वीं कृता स्या मा २॥ लि का वृजा ३॥
 भा म माल २॥ या न दि ४॥ व लि न मा ५॥ पृजा या म ६॥ ह नं म नू ड या दा क
 न ७॥ वि सा म ८॥ अ नू ९॥ म माल १०॥ वि सा स ११॥ अं नू पृजा १२॥ या म त
 नू सि हं स माल १३॥ हं न स व ड नाल १४॥ ग व ल ब्र ह्म वा माल १५॥ ज व न
 न सि १६॥ हं स र वें ज १७॥ माल १८॥ प ल लि वि कं १९॥ कू न सि का य त २०॥
 सि काल २१॥ अ ग र लि २२॥ थू प २३॥ मा स २४॥ मा त २५॥ कू काल क २६॥ म्मा

सप्तमः

२ विष्णुसूक्तम्

१ अथ विष्णुसूक्तम्

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

दूद धात्र इ या डा डा नि

२॥ मन्त्रसद्वा त्रदामि १५ नृगनसद्वा त्रदामि १५ थुमा सोति १५ मायम १५ वरु
 बाला डि १५ वरा था यमात्र १५ रत वरा माय १५ माल १५ त्रिचिस वृष हाम १५
 माल १५ गन्धस पूजा १५ मायमाल १५ कुल देव १५ ना पूजा मायमाल १५ दाहि
 नस यात १५ विवलिता १५ यमाल १५ विंगनस १५ पूजा डा न्द्र १५ माल १५ सक
 का हिम दु जोल १५ नद य का डा १५ पात विवलिता मा डा य १५ न्द्र माल १५
 ह नंद सा रु त या रव १५ संवत १५ मरु न या १५ गृह दान १५ विम माल १५ बृहि मा र

२॥
 प्र न (मि)
 विवा र १५

ॐ स्मार्त्ता यानि, त

२॥ भनमवु कु या ॥ ला ग ॥ नाहा सद ॥ पि डा ॥ दु या द कि ॥ न डि सा स ॥ वं र
 घा त वान व ॥ न ग मा दा र व द ॥ डा मा त ॥ व म हा य ॥ मा त ॥ वा ना रु
 दालि त य मा ल ॥ पू र व लि स ॥ व म हा य मा ल ॥ न व ता रु वा त त
 म मा त ॥ क मा ल द व ता ॥ व डा मा य मा ल ॥ न स व डा मा य मा ल ॥
 प्रा चु म डि सा स ॥ दालि वा त रु ॥ न य मा ल ॥ दु या क ल द व ता पू डा मा
 य मा ल ॥ ॥ क व द सा ॥ म हि न ॥ द सा रु त ॥ सा ति ॥ या य त गुं त ॥ व
 स व म क मा त

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

विज नाम

ॐ

वृष नाम

ॐ

कृष्ण नाम

ॐ

ॐ

पुष्पाक्षि विमलसुखि

सर्वसि

विप्रासि

२॥ वृन्वात म् ॐ पुनरखानज ॐ म्वाविद्या ॐ सह नमो नयं च ॐ ससथ
खादयो सवा नामि ॐ अश्वदापलिय ॐ रावांर सनिहवंतं ॐ पुनरथनंम
नूक ॐ यालोगकनातात ॐ नानावायि ॐ भागदायि ॐ भ्रा
तायातस्याकलाजद ॐ याता शानिडा ॐ हतदा ॐ विनादि ॐ सासवा
न ॐ वलितयामा ॐ उगुद्रिसासवानरि ॐ वलित ॐ यमाल ॐ कुमानि
पूआमीममाल ॐ वा ॐ पूजायानाडा ॐ वलिधन्य ॐ मा ॐ गुरुदत्तामसि
ननसंर ॐ दानमाय ॐ मा ॐ वहि माताधिममान

२॥ गान्धर्व ॥ वृत्तमन्त्रिणम्

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

दस नाम

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

भक्त नाम

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

सिद्ध नाम

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

उत्तम नाम

॥

॥

२॥ कृथं वा वन निरु स गगनं स प्रयासिनि ते प्राक् पु ल स य च वृषे सा
सन स प्राति विद्या देव ह न म स कालं नं धु न य न स पा व द्वा ना डा त ल
लो जा मा र व क ना डा त ल द व द क्वा ति या पु ल डा न ड स्या क लो
ज द ॥ ५ मि डा थु का थु या वि वि सां ति हि म स्ये त यू ज मा य मा ल
प्र चि म दि सा स मा त रि व त्रि त म मा ल उ त्र दि सा स वा त रि व त्रि
त म मा त लो क लु म ति न ना क दान वि म मा मा ल द दि न स त मा श
वि म मा त

महा श्री गौ जी म स काल

नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ

ॐ

ॐ

दास

दास १ नम १

दास

दास १ नाम १

दास

दास २ नाम १

दास

दास १ नाम १

ॐ
ॐ

ॐ
ॐ

२५ नमः नमः ॥ लांग अस्सद ॥ माडा अन ॥ व्यात स्याक प्राजया ॥ मूसं
नस ॥ वल्लिपातारित्त मात्र ॥ कुन वस पाताय ॥ वल्लित्तम ॥ माल ॥ वदी
नडि सात ॥ वात विवत्रित्तम ॥ माल ॥ डि नूत्तिद ॥ डामा क डाना ॥
माल ॥ विगन स डाना माल ॥ कुन दवता ॥ वृजामाय ॥ माल ॥ अगम
स ॥ यजामा माल ॥ मनुक मादा वेद ॥ विसास अंग ॥ गुमामा न ॥ गृह
दीन विममा ॥ मास ॥ मात ॥ मा ॥ डम हो क डम ॥ कोल्लन ॥ जाकिय

राशिनामं यम योम दिव्यगणि

५

५

५

मथ नाम

मथ नाम

दत्त नम

दत्त नम

पुना म

पुना म

अद्व तनाम

अद्व तनाम

पुष्प

कृष्ण

रुक्मिणी सा वसु कंथुनद्वानाम्भुजं वकलह्वं पुवानां व युवतं वा उ
संवादने उपवादि सन्धनत पुवानां वरु सन्धनत थुक्क यनं मन्त्रुका
लौकिकना डीत व थुनमन्त्रुका अस्या क लौकिक द मि लिमलनपु
जाया म माल पातद्वि वलित यमाल पुवस गन्धसपुजा यायमा
व उरुसपातद्वि वलित य माल विगनस पूजा अन्याल वात
द्विवावतमा डी पूजा माना डी सांग डय केनया डी यमाल नायिका

मन्त्र

सिद्धि

九

A detail from a manuscript showing a large, stylized initial letter 'D' in red and green ink on a yellow background. The letter is formed by thick, expressive strokes, with a long vertical stem and a curved top. The background is a textured yellow surface, and there are some small, dark spots scattered around the letter.

अने नाम

॥ १ ॥

An abstract painting by Robert Rauschenberg. The composition is dominated by thick, expressive brushstrokes in red, black, and brown, set against a bright yellow background. The strokes are layered and overlapping, creating a sense of depth and movement. The overall effect is one of raw energy and gestural abstraction.

ॐ नमः

An abstract painting by Piet Mondrian, featuring thick, expressive black and red lines on a yellow background. The lines form a stylized, calligraphic shape that resembles a large, bold letter 'F' or a similar abstract form. The lines are thick and have a slightly irregular, hand-painted quality. The background is a solid, bright yellow. The overall composition is simple and graphic, characteristic of Mondrian's style.

三

निर्वाणमा१

२ पुत्रत्ववाचकम् ॥ सहजनां द्वितीयमनिनये ॥ पुत्रावन्दाख्यातिवन्ने ॥ सदाभ्युत्थ
दासवत्तनादनं ॥ दवंगृहसंनयनयेदस ॥ वंदिपुनवासतं ॥ अजलानवाविद्या
दवंसमसत ॥ थुपुसन ॥ अथकनाडातन ॥ थनमनूहमातलो गारव ॥ कन
वृकतस ॥ वाथदमिअ ॥ जन्यसवृजा ॥ मायमान ॥ उगुदिमास ॥ यातद्विवि
नममात्र ॥ प्रक्षिमस ॥ यातद्विवरितममात्र ॥ दक्षिनदिमास ॥ वृसनाजमा
दाखद ॥ वृषयिरव ॥ २ उकि स ॥ नाजपूजा मायमाल ॥ कुनदवणपूजा माय
मान ११

१७४४

सिद्धि

सिद्धि

सिद्धि

सिद्धि

सिद्धि

सिद्धि

सिद्धि

सिद्धि

सिद्धि

श्रीमद्भक्त

श्रीमद्भक्त

ह्यनानेन न न म न स द ह स न पि ति द ये र वा न ग ल य ति य तं ॥ अ न नो ड स
द न ॥ गि सं ति ॥ अ ह म प्र दा पु ति ॥ स न न र ड ॥ न ड प्र त व स म द स दं ति म ल
थु सि य क न ॥ थ न अ थ क ना ड त ल ॥ म न ड म ॥ दू स र वं या स द्या त ॥ अ ग्रा ड
ग नि ॥ वृ षा व स पू म ह्य म ॥ मा व ॥ पा त द्धि व ति त म मा न ॥ ग न्य स य आ या
प मा ल ॥ द षिं त दि सा स ॥ पा त द्धि व ति त म मा न ॥ अ ह म रि न ॥ कं त ॥ अ स
दा न त य मा न ॥ अ गि स ल स दू म मा न ॥ व त दान वि म मा ल ॥ कं त द व त
वृ डा मा य मा न

महं विभक्तं मया

वासकीस

दक्षि

वृ ३

वृ २

यत्र का

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

वृ ३

वृ २

वृ ३

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

रज्जुनवातस्य ॥ अतविद्यानाम्ना ॥ अतसदाहवति ॥ न जानातुपुसन्ना नयद ॥ दसदि
असमव ॥ अदूनां उतादनंदिन्या ॥ वरुणदात्तमसविनायक ॥ मिसमं ॥ महावि
द्राप्रतिनत ॥ संख्यासंमनोव ॥ अतमनूद ॥ यातुतिसद्यावदधि ॥ यवदिमासव
दधि ॥ पिनप्रायिवर ॥ उतिसनाप्रतादधि ॥ आगंन्याकंनसकांनि ॥ नाग
पूजायाप्रमात्र ॥ अतंरु ॥ यातादुवनिन ॥ प्रमात्र ॥ यवदिमास ॥ वासुविवाजित
प्रमात्र ॥ यिगलसदमाकडाभ्यमात्र ॥ ग्रु नमतिन ॥ केरुदसादन ॥ अतदान
॥ तममात्र ॥

श्रीमन्म

सिन्धुनाम

वृ३

वाकि१

३३

लंकि१

३३

दंकिनि३

३

वृ१

विष्णु

महाभारत

रं श्रुत्वा पापं सह न ददा दत्वा तं **॥** म कृतव्याप्ति संहातिका सधे **॥** यं स नो वा वंद सधे **॥** आ
उत्थ तंत तत्त्वा **॥** संपा **॥** तना म्भ इ ग द स **॥** दि न्य वृ पृ व द **॥** अ इ यि न ग त स नि य
त भाना **॥** त नं पुरु कालं **॥** प्र ह द मे मान वर **॥** थ न अ थ न र व क ना ड त ल **॥** म न
कु मा त **॥** दू व त्वा न इ न **॥** द्वा थ स्मा क ना ग **॥** भ व नं म र वू या ना ह डी वा थ म इ न
अ थ नं **॥** कु मा लि पू आ या म मा न **॥** वा यू आ या म मा न **॥** या न रि व लि त म मा न
मा न **॥** मू सा न संपा ता रि व लि त म मा न **॥** दि न्य रि द व त यू आ या म **॥** मा न अ य

रूपनसि मणि

पू.

७

वस

अक्षय

१ अक्षय २३२

अक्षय

१ अक्षय २३२

अक्षय

विषय २३२

३३

सि

३३

श्रीमद्

पुनर्वसु

२ म कृत स आदा वर न्य न स य प्रद मेत्य नाना पुति का ना म्म सह द स पा न न व नि
न लो क अ स न्य तं द द वा नां म कृत धालं सदा रु वं ति न आ प्र त्य न व ल्य न यं व
नं सु रि सु य मे मन प्र वा दि ति क नं स व द्या रि वि ना स न वि न न म कृत आ सु अ
थ न अ थ क न अ रु ति अ का स लो ग इ पि डा अ का स लो ग या ना म नि ना
म इ पि व ड आ ति नि पू जा या म मान ति सु न जं तु त म मान व ड वा ना हि
पू जा या म मान ग रु दान वि म मान ना इ दा हि नु जा कि व डि मा स
मात १ दू ३ ११ य ति २१ रं वि ड ह म न व म न वा क क दा धू नि दा न री ज

न न के मा न

दक्षि

व २॥

नानक
व ३॥

पुष्टिम

व ४॥

निर्वाण

मध्यमि
मध्यमि
मध्यमि

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

श्रीगुरु

नाम २५

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

किस

नाम २६

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

श्रीगुरु

नाम २७

को

प्र
५
(५)

५
५

संस्तानादिनरुसतवति ॥ १ ॥ शसनं प्रतसवात् ॥ २ ॥ यदि ने कू वांतां मकू तये ॥ ३ ॥ दसत्र वा द
त्राक सैरग सना पवा नावे ॥ ४ ॥ तलं द्यो सन्नारवा स ॥ ५ ॥ दुलुस मुषा विधना मप्र मुप्रये
दिन वात स्यं समो ना ॥ ६ ॥ थुसा रुने ॥ ७ ॥ मनुष्य माला जकन ॥ ८ ॥ मनु कू या जवित्त
यिडा ॥ ९ ॥ ति ग सपु रग रु मिठा ॥ १० ॥ थुला ग मित्त मय या गति ॥ ११ ॥ थु न ग या सां
ति आमत ॥ १२ ॥ रिंद व पूजा माय मात्र ॥ १३ ॥ वज्र हा मिनि पूजा माय मात्र ॥ १४ ॥ वज्र वा
त्तादि पूजा ॥ १५ ॥ माय माल ॥ १६ ॥ पात द्वि वालित माडा पूजा माय मात्र ॥ १७ ॥ वेत उच्यमान
वेत पूजा माय मात्र ॥ १८ ॥ पंचामृत ॥ १९ ॥ यं सका ॥ २० ॥ पंच कायत ॥ २१ ॥ कू वा कू ॥ २२ ॥

पुष्पमाला
रत्नमाला

पू व

व २

पुष्पमाला

३७

२ व

अस

नाम

विद

नाम

रुत

नाम

वृ

१

ॐ कामवासनमहा

विषयविशेष

म

३३

शुभादिहिसमतावत्तसत् २१ अथवा नंयुवानां त्रिविधस्यैव तव २२ त्रिदानां मत्कृतं नं सत्वा
लक्षासविसर्त २३ कंथीद्यालनं शुभात्तमवत् २४ सदावागदात्य अङ्गुदिन्येयवसम
याजसंदनं २५ अकासयुवासिनो २६ धुसातनं अथकनाडात २७ मन्त्रक्यात अका
सकात्तननागकुपिडा २८ धुमासाति अथवा अगिनिनामने २९ सान अथवा युडा
यायमात्र ३० यकुवात्राहि यूडायाप्रमात्र ३१ पातद्विबलितमाडा यूडाया
प्रमात्र ३२ महाकालयूडायाप्रमात्र ३३ पातद्विबलितमाडा यूडायाप्रमात्र ३४ नापिडा

सामदत्ते) इतिनामि

द ५

पू २

अकाशग

विद्वत्

सद्यनाम ११

सद्यनाम १२

सद्यनाम १२

सद्यनाम १३

सद्यनाम १३

कू

१

२

विष्णु
(विष्णु)

विष्णु
विष्णु

२ सानि सदेव आवाहनं १० सिक्कमिपुवास धर्मे न मति कथं वापि दसेत्वात् अवा नो सन्धान
व कर्वा नानं सयेत १० अहं न सवग्रनां कलं १० अलालथ लालथ समदिन गती १० सुनस
त्यदनाद नं १३ घृतं शूतं सदासनं १३ थन धुसातुनं अथ कला डी तल १३ अकात्वा ग द्वा सदमे
हो १३ धुमा साति मा मत १३ यिथ गत पूजा मा ममात्र १३ दायूजा १३ वातशिवलित प्रमानत
दहि तदि सास १३ रु रारवान वलित प्रमान १३ प्रवद्रि मास पात शिवलित प्रमान १३ जन्म प्रस
पूजा मा ममात्र १३ गुरु त संवत्सर मति न १३ गुरु दान दिप्र मास १३ कामा लित न के मास

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ

ॐ

युमः

नामः

पथः

नामः

अमः

नामः

रवामनाम

राशि

राशि

यदिनां कथा नां सदा देव सव समुदत्तं पुवानां समी माह न मां दया त वि धु मय नो नृणां
त्यन मे सता दि स ना पूजा छति त मे पि ता तु पुता दाल्ये स शाना म हा दू ता स न्ने म
ग ग म दि पु नि थि स म ल ग ३ दा ल्ये न वू द यो धन थु म् भ नं क क ना डी त ल
म नू रू म म् स वा त्ता ग द पि डा थु कं य लं थु मा सा ति दे ह्य वू जा मा य
मा त्ता यं क म् य त् द य कं वू जा मा य मा त्ता पं व ल न त म् मा ल पं व वू जा मा य मा त्ता
मि श्र न ल ता पू जा मा य मा त्ता या त वि व ति रं त्र या न न म् मा त्ता गृ दान वि म्

मात्र

सिद्धिदायक दसः कृपा

वृ ७

३

सहस्रनाम

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

वृ

३

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ मुक्तिविनामसवत्सिनेलचंदनं ॥ देवानां संसाराणां विंदत्यं ॥ सनसामिहियेदस
धातनं अरुपेयदानं ॥ अनात उदये किति सतथा सनेरु ॥ अना विहयेरुगानां
अदयासनले ॥ तिकासगवतं ॥ अदिति तिसंदनमा ॥ अथनथुसातनं अथकन
अमन ॥ अमनरुमात ॥ सहसा गजत ॥ अथासाति ॥ अथिहंसमाल ॥ पातयिव
लिमात्र ॥ अथिपुन्यकमात्र ॥ सडादव ॥ अथिमात्रमाल ॥ अथनकमात्र ॥
असकृदवतापुत्रा माप्रमात्र ॥ दक्षिनसद्वारकानपातयिवलितयमात्र ॥ २५

उमनाम प्रथम

३५

कथं नाम

संथं नाम

जंथं नाम

००००००००

三

पुस्तक (३)

卷之四

[illegible]

नामिदु

दुवयुके

श्रीग

वृ २८

वृ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

वादि १

नाम २

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

कृमा १

नाम २

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

वदका

नाम २

मिसा) द्विलोगदूयि

ॐ

ॐ

रत्रविलंबसमुदसम **ॐ** ह्यपुतासिन **ॐ** कात्रहभनतमोजानोसहेरतस **ॐ** हेतवना
नायेहलन **ॐ** सवाल्लुदवनभ्यवतसनेदनासप्रदिष्ट **ॐ** कंथवनसहलतिउम्भ
ॐ यिमायवदसेषतभ्यवर **ॐ** ससानांभनोकुल **ॐ** धृसातुनंभयकनाडातत्र **ॐ**
मत्तुप्राप्रित्वागभूमाडाथानिडा **ॐ** धृमासाति **ॐ** वागकुमालि **ॐ** पूजायायमात्र
पातद्विबलितमाडापूजायायमात्र **॥** ह्यंभथ **॥** हामकाडापूजायायमात्र **ॐ**
वुमतदाविषमात्र **॥** मंसदीनविषमात्र **ॐ** नदानविषमात्र **ॐ** धृदालंमायमात्र

महामाया

पुर्व

पुर्व

पुर्व

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

नाम

नाम

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

वाक

नाम

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

वाक

नाम

व

२

हं दास्ये ग

श्रीगणेशाय नमः

महेश्वर

२ विनवा मस्य विन **॥** कृत नमः वन सकारं सये **॥** सव सनित्वा वं वेस म **॥** देवम गेरा दत
दुला नव **॥** ज्ञाना म कृतियु रदाल्य नये **॥** सति युवां ना न विजु दाना अविम भव
न्येन सवा द पु रमा **॥** सत ह सु रं दाता ना **॥** थन अथ रव क ना ज्ञात न **॥** नुवि रव ना
गो कृ मा डा ला नि **॥** थु या सा नि **॥** रि वे त द डा पु जा या म मा न द्वा रि ह स **॥** पा ता र
व लि **॥** पु जा डा न न **॥** उ व न श्रु कि स त्रि **॥** त मा डा य ना मा न **॥** द डा या ला म **॥** ना उ र स
लि द डा **॥** द वि त्स **॥** का ता यु व नि त य मा ल **॥** ग्रु न **॥** क र स रि न **॥** दा ना वि म मा ल

भैरव

वृ ३१

वृ ॥



१ बुदिनाम १

२ दाव नाम २

३ खत नाम ३

कथना

मधुसूदन

ॐ

ॐ

व्यवेसा कि तना न संसा ना ॥ महाग्रानो सम्यक् ॥ खदं वासिनि सेवं सर्वे लका ना ता न
 ये सुय सने जेवं वा दि ॥ का तं ह न ह ॥ व सुप्रा नो शुनं का तो ह स त दि नो ॥ अ का स ते ह
 त ह नि से नि ॥ सि य मा ह न ॥ अ स न्ये सा ह त तं ॥ ध न जे थ ख क ॥ ना डा त न ॥ ध नो
 ज सा ति ॥ मा य ॥ ना ह पु डा ॥ मा य मा त ॥ म ही का त य पु डा मा य मा न ॥ पा त दि त नि
 त जा डा पु डा मा य मा न ॥ गृ ह न दा ॥ गृ ह न ॥ गृ ह के त ॥ स्व द न गृ ह मा त नि त पा दा न
 स व न मा कू मा त नि त के मा न ॥ कू मा त नि त पु डा मा य मा न ॥ न द्यु त दा न वि य मा न ॥ मा न ति